IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, April 2022
Impact Factor: 6.252

शहडोल संभाग में साक्षरता एवं शिक्षा के आयम : एक भौगोलिक अध्ययन

Jiyalal Rathore[1] and Prof. Shivkumar Dubey[2]
Research Scholor, Department of Geography[1]
Professor, Department of Geography[2]
Awadhesh Pratap Singh University, Rewa, Madhya Pradesh, India
rathaur1989@rediffmail.com

Abstract: भारत देश ग्रामों के विकास के लिए तात्पर्य है। इससे क्षेत्रीय विकास की योजनाओं और शिक्षा के विभिन्न आयामों को प्रस्तुत करता हे। इस प्रकार की आधारभूत सुविधाओं में शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण हैं शिक्षा मानव को जागरूक ही नही बल्कि साक्षर भी बनाती है। शिक्षा से जागरूक व्यक्ति अन्य सुविधाओं को आसानी से प्राप्त कर लेता है। इन्हीं विकास योजनाओं के आधार पर लोगों के आर्थिक एवं सामाजिक विकास का प्रतिरूप तैयार होता है। इन्हीं अर्थो में सामाजिक और भौतिक अस्तित्व की रचना कर आर्थिक विकास को योगदान दिया गया है। फिर भी इसके उपरान्त भौगोलिक वातावरण मानव के जीवन में एक अहम भूमिका निभाता है। इसे परिणाम स्वरूप शैक्षणिक विकास ही सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए योगदान देता है।1 आर.पी. मिश्र2 के मतानुसार विकास की योजना के आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन से संस्थागत शैक्षणिक ढाँचे का निर्माण होता है। इसी से समाज में परिर्वतन की लहर दिखाई देती है। किसी भी राष्ट्र, राज्य ,संभाग, जिला और गाँव हेतु शिक्षा का अत्यधिक महत्व है। इन्हीं के परिसााम स्वरूप व्यक्ति का जीवन पशु से भिन्न है क्योंकि शिक्षा मनुष्य को शिक्षित ही नहीं बल्कि सभ्य और संस्कारवान बनाती है। यही शिक्षा व्यवस्था के अभाव में मानव के कृत्य पशु से भी बत्तर हो जाता है। शिक्षा के द्वारा ही राष्ट्र की प्रगति का सूचक माना जा सकता है। यदि देश की उन्नति पूर्ण बनाना है। तो सबसे पहले शिक्षा का विकास करना आवश्यक है। शिक्षा समाज में एक सामाजिक प्रक्रिया को जन्म देती है। भौगोलि वातावरण को सुचारू रूप प्रदान करने में शिक्षा का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। आजादी के बाद समग्र राष्ट्रीय विकास की दृष्टिकोणों के आधार पंचवर्षीय योजनाओं के द्वारा शिक्षा विकास के सतत् धारा में प्रगति की ओर अग्रसर है। इन्हीं सम्बन्धी कार्यो के प्रति प्रगति का विकास स्वयं में एक आईना का कार्य कर रहा है।

मुख्य शब्दः साक्षरता, शिक्षा, कालगुणवत्ता, अनुसूचित जनजाति जनसंख्या, सौन्दर्य विकास

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, April 2022
Impact Factor: 6.252

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. पी.आर. चौहान एवं महत्तम प्रसाद, भारत का वृहद भूगोल, वसुन्धरा प्रकाशन दाउदपुर, गोरखपुर, 2000, पृ. 10
2. श्रीवास्तव एवं अन्य, प्रादेशिक नियोजन एवं संतुलित विकास बसुन्धरा प्रकाश, गोरखपुर, 1996, पृ. 15
3. डॉ. प्रमिला कुमार, मध्यप्रदेश, एक भौगोलिक अध्ययन, द्वितीय संस्करण, म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी भोपाल, (म.प्र.) पृ. 25
4. एस.डी. कौशिक एवं शर्मा ए.के. भौगोलिक विचारधाराएँ एवं विधि तंत्र, रस्तोगी प्रकाशन, शिवाजी रोड, मेरठ, सप्तम संस्करण 1990, पृ. 23
5. जिला सांख्यिकीय पुस्तिका, 2011, शहडोल संभाग
6. गजेटियर, शहडोल जिला
7. डॉ. मेमोरिया चतुर्भुज, जनसंख्या भूगोल साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा, पृ. 29

Web Site:

[1]. www.cences.2011.co.in
[2]. www.data.gov.in
[3]. www.shahdolpart.A.gov.in